वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 238 | गुरुवार 25 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@... पेज 2

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आयोजित

विद्यार्थी ऐसे विषयों पर शोध करें, जिनका लाभ देश और समाज को मिले: बागड़े

जयपुर. कासं

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी शोध के लिए ऐसे विषयों का चयन करें, जिनका देश और समाज को लाभ मिले। साथ ही विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो। राज्यपाल बागड़े बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के संत मीराबाई सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शोध का वृहद स्तर और दीर्घकालीन लाभ मिले। विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र बनें। विद्यार्थियों को यहां शिक्षा का बेहतर वातावरण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों को साफ-सुथरा, हरा-भरा बनाए रखने और शिक्षकों को भी अपने पद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया।

विद्यार्थी योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

राज्यपाल बागड़े ने संयमित दिनचर्या के महत्व को बताया और विद्यार्थियों से योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। हमारी बौद्धिक क्षमता का पूरी दुनिया ने लोहा माना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में भारत, विश्व की 12वीं और वर्ष 2014 में 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें बहुत दिया है। हमें समाज के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए। उन्होंने भारत की संस्कृति को समृद्ध बताया और कहा कि राजस्थान सूरों, धर्मात्माओं और संतों की नगरी है।

कैलेण्डर का लोकार्पण

दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2024 की कुल 1 लाख 20 हजार 812 उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 की अवधि में कुल 46 शोधार्थियों, जिनमें 22 पुरूष एवं 24 महिलाओं को विद्यावाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में परीक्षा वर्ष 2024 की परीक्षाओं में अपने विषयों में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले कुल 65 विद्यार्थियों, जिनमें 9 पुरूष एवं 56 महिला को स्वर्ण पदक दिए गए। विधि संकाय की लावण्या शर्मा को कुलाधिपति पदक एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की तन्नू को कुलगुरु पदक प्रदान किया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में संचालित होने वाली ई-फाईलिंग एवं विश्वविद्यालय के कैलेण्डर का लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचारों और गत वर्षों में अर्जित उपलब्धियों के बारे में बताया।

क्रिसमस सेलिब्रेशन में झूमे बाल कैंसर रोगी एवं कैंसर विजेता

कार्यक्रम का उद्देश्य इलाज से गुजर रहे बच्चों और कैंसर से जंग जीत चुके सर्वाइवर्स के चेहरों पर मुस्कान लाना

जयपुर. कासं

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में बुधवार को बाल कैंसर रोगियों एवं कैंसर विजेताओं के लिए क्रिसमस डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। कैंसर केयर (महिला प्रकोष्ठ) और ड्रीम्ज फाउंडेशन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य इलाज के दौर से गुजर रहे बच्चों और कैंसर से जंग जीत चुके सर्वाइवर्स के चेहरों पर मुस्कान लाना एवं उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा। इस मौके पर अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एस सी पारीक (सेवानिवृत) ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुए यह सभी बच्चे फाइटर है। इनमें कुछ बच्चे कैंसर की जंग जीत चुके है और कुछ की जंग अभी जारी है। हमें इन बच्चों से सीखना चाहिए कि किस तरह जीवन में हर हाल में खुश रहे। कार्यक्रम के अंत में सुमर कोठारी एवं प्रीयल गर्ग की ओर से बच्चों को उपहार वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरों पर विशेष खुशी देखने को मिली। चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि क्रिसमस के दिन सभी बच्चों को सान्ताक्लॉज का इंतजार रहता है। सान्ताक्लॉज को देखते ही बच्चों के चेहरे पर खुशी दिख जाती है। हमें इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कराहट लाने का कोई भी मौका हमें नहीं छोड़ना चाहिए। ड्रीम्ज फाउंडेशन के तहत अस्पताल में भर्ती 1 से 18 साल की आयु के 4800 से अधिक बाल कैंसर रोगियों की ख्वाहिशों को पूरा किया जा चुका है। इस मौके पर हॉस्पिटल एवं कैंसर केयर के सदस्य मौजूद थे।

सांताक्लॉज ने बच्चों को बांटी खुशियां

कार्यक्रम में सांताक्लॉज ने बच्चों को ना सिर्फ उपहार और चॉकलेट दिए बल्कि उन्हें कई तरह के गेम्स भी खिलाए। सान्ताक्लॉज ने बच्चों को हंसाते हुए उनके साथ डांस कर कुछ पल के लिये उनके दर्द, दुख, तकलीफों से दूर करते हुए उनके बीच खुशियां फैला दी। सेलिब्रेशन के दौरान बाल रोगियों की ओर से डांस, कविता और गानों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। बच्चों के लिए संगीतमय कार्यक्रम, खेल गतिविधियां एवं पास-द-पार्सल जैसे मनोरंजक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे उत्साह और आनंद के साथ भाग लिया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार व मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार एवं मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन द्वारा अपने पूज्य पिता स्वर्गीय श्री राजमल जैन की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में गौ माताओं को चारा एवं गुड़ खिलाकर सेवा की गई। कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें दिगंबर जैन महासमिति जयपुर के अध्यक्ष

सुरेश जैन (बांदीकुई), श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म के महामंत्री सौभागमाल जैन, जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष राजेंद्र शाह, णमोकार ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, वरुण पथ मंदिर के कोषाध्यक्ष कैलाशचंद सेठी तथा राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. इंद्र प्रभ जैन सहित अनेक समाजजन शामिल थे। ट्रस्ट अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा निरंतर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इनमें रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, निशक्तजनों के लिए भोजन व्यवस्था एवं अन्य सेवा गतिविधियाँ समय-समय पर आयोजित की जाती रही हैं। उन्होंने कहा कि गौ सेवा एवं मानव सेवा को समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का हिस्सा बनाए, यही इस आयोजन का उद्देश्य है।

एम्बिशन किड्स एकेडमी में रेड डे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी में रेड डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। विद्यालय परिसर का संपूर्ण वातावरण लाल रंग से सराबोर नजर आया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने लाल रंग के परिधान पहनकर तथा लाल रंग से संबंधित विभिन्न वस्तुएँ लाकर कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को लाल रंग के महत्व के साथ-साथ उसके भावनात्मक और सांस्कृतिक अर्थ से परिचित कराना रहा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए बताया कि लाल रंग ऊर्जा, प्रेम, आत्मविश्वास और शक्ति का प्रतीक है। उप-प्राचार्या श्रीमती अनीता जैन ने बच्चों को लाल रंग की अवधारणा समझाते हुए कहा कि यह रंग सकारात्मकता, साहस और उत्साह से जुड़ा हुआ है, जो जीवन में सक्रियता और प्रेरणा का संचार करता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ-साथ विद्यालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह आयोजन शैक्षिक होने के साथ-साथ मनोरंजक भी बन गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध होमियोपैथ डॉ. मोहन लाल जैन मणि ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में लाल रंग का विशेष महत्व है। यह शक्ति, शौर्य और शुभता का प्रतीक माना जाता है तथा हमारे अनेक पर्वों और परंपराओं से जुड़ा हुआ है। विद्यालय के निदेशक डॉ. मनीष जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लाल रंग साहस, आत्मबल और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने और आत्मविश्वासी बनकर एक सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

"कर्नाटक-महाराष्ट्र तीर्थ वंदना" हेतु तीर्थयात्री रवाना

16 दिवसीय तीर्थ यात्रा को जैन ध्वज लहराकर किया गया शुभारंभ

सीकर. शाबाश इंडिया। जैन समाज की बहुप्रतीक्षित 'कर्नाटक-महाराष्ट्र तीर्थ वंदना'' को बुधवार को शहर के बजाज रोड स्थित जैन भवन से जैन ध्वज लहराकर विधिवत रूप से रवाना किया गया। यह 16 दिवसीय तीर्थ यात्रा 24 दिसंबर 2025 से 7 जनवरी 2026 के मध्य आयोजित की जा रही है। भूगर्भ से प्रकट रैवासा वाले बाबा श्री 1008 सुमतिनाथ भगवान की अनुकंपा एवं सकल दिगंबर जैन समाज सीकर की प्रेरणा से जय जिनेन्द्र ग्रुप सीकर द्वारा आयोजित यह ग्यारहवीं कर्नाटक-महाराष्ट्र जैन तीर्थ वंदना है। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि इस यात्रा में तीर्थयात्री कर्नाटक एवं महाराष्ट्र के अति प्राचीन एवं भव्य जैन तीर्थों के दर्शन करेंगे। यात्रा सीकर से बसों द्वारा दिल्ली होते हुए प्रारंभ होगी, जहां से तीर्थयात्री रेल मार्ग द्वारा हुबली (कर्नाटक) पहुंचेंगे। इसके पश्चात वरूर (विश्व प्रसिद्ध नवग्रह मंदिर), बादामी, लुक्कडी, शेडवाल, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का पैतृक ग्राम सदलखा, प्रथम आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का पैतृक ग्राम भोज, कुंभोज बाहुबली, कुथुगिरी, बीजापुर, उगार पद्मावती, स्तवननिधि, उदगांव, धर्मनगर, निपाणी, कोथली सहित कुल 27 तीर्थ स्थलों के दर्शन लाभ प्राप्त होंगे। जय जिनेन्द्र ग्रुप के अध्यक्ष पुनीत छाबड़ा एवं सचिव अजय छाबड़ा ने बताया कि तीर्थ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर पूर्व विधायक सीकर रतन जलधारी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कमल सिखवाल, पूर्व नगर परिषद सभापति जीवन खां, रेलवे एसएम रणवीर सहित समाज व शहर के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

परिदृश्य

रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

अतुल गोयल

क्रिसमस, ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा और पावन पर्व, पूरी दुनिया में 25 दिसंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम, शांति, करुणा और मानवता का वैश्विक संदेश है। जिस प्रकार हिंदू समाज में दीपावली और मुस्लिम समाज में ईद का विशेष महत्व है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय में क्रिसमस का स्थान सर्वोपरि है। यह पर्व केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि क्रिसमस ईव से प्रारंभ होकर बारह दिनों तक चलने वाले उत्सव का प्रतीक है। क्रिसमस का पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। मान्यता है कि लगभग दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसंबर को उन्होंने समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया। उस समय समाज धार्मिक आडंबर, अत्याचार, आर्थिक विषमता और आपसी वैमनस्य से ग्रस्त था। धनवान वर्ग विलासिता में डूबा था, जबकि गरीबों का जीवन कष्टों से भरा हुआ था। ऐसे अंधकारमय दौर में ईसा मसीह का जन्म मानवता के लिए आशा की किरण बनकर आया। ईसा मसीह का जन्म अत्यंत साधारण और कठिन परिस्थितियों में हुआ। दिसंबर की कड़ाके की ठंड में, बेथलेहम नामक छोटे से गांव में, एक अस्तबल में मरियम की कोख से उनका जन्म हुआ। उनके जन्म का संदेश किसी सम्राट को नहीं, बल्कि साधारण चरवाहों को मिला यह स्वयं में इस बात का प्रतीक है कि ईश्वर की दृष्टि में सभी समान हैं। उनके जीवन की यह शुरूआत ही उनके संदेश की आत्मा को दर्शाती है। ईसा मसीह ने अपने पूरे जीवन में प्रेम, क्षमा और सेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने निराकार ईश्वर की उपासना, आडंबर रहित धर्म और मानव मात्र के प्रति करुणा का उपदेश दिया। गरीबों, दुखियों और रोगियों की सेवा उनके जीवन का मूल मंत्र थी। उनके विचारों से प्रभावित होकर शिष्यों की संख्या बढ़ती गई, जिससे तत्कालीन धर्मगुरु और शासक उनसे भयभीत हो उठे। धर्म और सत्ता के गठजोड़ ने अंततः उन्हें सूली पर चढ़ा दिया। क्रॉस पर चढ़ाए जाते समय भी उनके मुख से क्षमा के शब्द ही निकले 'हे ईश्वर, इन्हें क्षमा करना, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।' यह क्षण ईसा मसीह की महानता, सहिष्णुता और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है।

संपादकीय

भारत की ओर लौटता वैश्विक आकर्षण

वैश्विक परिदृश्य में हाल के वर्षों में परिस्थितियां तीव्र गति से बदली हैं। एक समय था जब कुशल युवा भारतीय बेहतर अवसरों की तलाश में अमेरिका जैसे विकसित देशों की ओर रुख करते थे, पर अब प्रवृत्ति उलटती दिखाई दे रही है। बढ़ती मुद्रास्फीति, महंगा जीवन-यापन और विशेषकर स्वास्थ्य सेवाओं की अत्यधिक लागत ने अमेरिका सहित कई विकसित देशों में आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। परिणामस्वरूप,

आज न केवल युवा बल्कि सेवानिवृत्त नागरिक भी भारत में बसने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क, टेक्सास, वाशिंगटन, लॉस एंजेल्स और सिलिकन वैली जैसे क्षेत्रों से इंजीनियर, क्रिएटर, उद्यमी और बुजुर्ग नागरिक भारत के मुंबई, पुणे, गोवा, हैदराबाद, बेंगलुरु, केरल, पुदुचेरी, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसके पीछे भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अपेक्षाकृत कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण जीवन और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रमुख कारण हैं। विकसित देशों में स्वास्थ्य बीमा के बिना इलाज लगभग असंभव हो गया है, जबकि भारत में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं 25-30 प्रतिशत लागत पर उपलब्ध हैं। यही कारण है कि अब अमेरिका ही नहीं, बल्कि अरब देशों से भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए भारत आ रहे हैं। साथ ही, भारत का तकनीकी उद्योग और डिजिटल अर्थव्यवस्था किसी भी विकसित देश से कम नहीं है। स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार और कुशल मानव संसाधन ने भारत को वैश्विक निवेश के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। सांस्कृतिक दृष्टि से भी भारत का आकर्षण अद्वितीय है। पश्चिमी देशों में एकल परिवारों की संरचना और सामाजिक बिखराव के कारण अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ा है, जबकि भारत की संयुक्त परिवार परंपरा बुजुर्गों को सम्मान, सुरक्षा और अपनत्व देती है। वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसी भावनाएँ भारतीय समाज की आत्मा हैं, जो विदेशियों को मानसिक शांति प्रदान करती हैं। योग, आयुर्वेद और आध्यात्मिक वातावरण विशेषकर हिमालयी क्षेत्रों में पश्चिमी समाज के तनावग्रस्त नागरिकों को गहराई से आकर्षित कर रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी भारत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए लाभप्रद विकल्प बन रहा है। कम उत्पादन लागत, विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभावान कार्यबल के कारण अनेक अमेरिकी और वैश्विक कंपनियाँ अपने विनिर्माण और तकनीकी कार्य भारत स्थानांतरित कर रही हैं। इससे न केवल उनकी लाभप्रदता बढ़ रही है, बल्कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत हो रहा है। कुल मिलाकर, आज भारत आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर खड़ा है। लचीला समाज, स्वागतशील संस्कृति और अवसरों की बहुलता ने भारत को न केवल निवेश का, बल्कि जीवन जीने का भी आकर्षक गंतव्य बना दिया है। यह बदलाव संकेत देता है कि भारत अब केवल 'ब्रेन ड्रेन' का देश नहीं, बल्कि ''ग्लोबल डेस्टिनेशन'' के रूप में उभर रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सिद्धांतों की टूटती डोर

रेनू 'शब्दमुखर'

जीवन की सबसे सुंदर यात्राओं में से एक है मित्रता। यह वह पावन बंधन है जो साझा सिद्धांतों, समान विचारों और एक जैसे मूल्यों की नींव पर टिका होता है। किसी व्यक्ति के प्रति हमारा आकर्षण केवल उसके व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि इस बोध से होता है कि उसकी सोच हमारी सोच का दर्पण है। बातचीत में गहराई, हंसी-मजाक में सहजता और अटूट विश्वास की वह नींव हमें यह विश्वास दिलाती है कि यह रिश्ता कालजयी है। लेकिन समय की धारा जब करवट लेती है, और वही मित्र अचानक कह दे, 'मुझे तुम पर विश्वास नहीं है', तो मानो पैरों के नीचे से जमीन खिसक जाती है। वह क्षण केवल कष्टदायक नहीं होता, वह हमारी पूरी वैचारिक दुनिया को झकझोर देने वाला होता है। यह विश्वासघात की वह मूक पीड़ा है जिसे शब्दों के दायरे में बांधना असंभव है। कल तक जो सिद्धांत दो शरीरों के बीच एक सेतु का काम कर रहे थे, वे आज अचानक मिथ्या सिद्ध होने लगते हैं। मित्र का चेहरा वही रहता है, लहजा भी शायद वही हो, लेकिन आँखों में उपजा संदेह का वह कोहरा सब कुछ धुंधला कर देता है। ऐसे में मन के बंद कमरों में अनगिनत सवाल गूँजने लगते हैं क्या हमारा जुड़ाव महज एक संयोग था? क्या वे साझा विचार केवल समय बिताने का साधन थे? वास्तव में, यह केवल एक धोखा नहीं, बल्कि आत्मा पर हुआ वह प्रहार है जो व्यक्ति को भीतर तक एकाकी बना देता है। इसके बाद हर नए रिश्ते पर संदेह की एक अनचाही परत चढ़ने लगती है। समसामयिक परिवेश में देखें तो आज का डिजिटल युग और सोशल मीडिया की चमक-धमक इस समस्या को और अधिक जटिल बना रही है। 'वर्चुअल' दोस्ती के इस दौर में सिद्धांतों का दिखावा करना बेहद आसान हो गया है, लेकिन वास्तविकता की आंच लगते ही ये रिश्ते मोम की तरह पिघल जाते हैं। राजनीति से लेकर कार्यस्थल और पारिवारिक गलियारों तक, साझा उद्देश्यों से शुरू हुई यात्राएं अक्सर व्यक्तिगत हितों और संदेह की भेंट चढ़ जाती हैं। मनोवैज्ञानिक इसे 'संज्ञानात्मक असंगति' का नाम देते हैं, जहाँ व्यक्ति अपने स्वार्थ या बदलते नजरिए को सही ठहराने के लिए पुराने विश्वास की बलि दे देता है। किंतु पीड़ित व्यक्ति के लिए यह कोई मनोवैज्ञानिक थ्योरी नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं का अपहरण होता है। अक्सर मित्रता में टूटन का एक बड़ा कारण 'अति-अपेक्षा' भी होता है। हम मित्र को अपने सिद्धांतों का बंधक मान लेते हैं। लेकिन जब संवाद की कमी होती है, तो छोटी सी गलतफहमी संदेह का विशाल वृक्ष बन जाती है। इस पीड़ा से गुजरने के बाद भी जीवन रुकता नहीं है। विश्वास टूटने के बाद का समय आत्म-अवलोकन का होता है। हमें यह समझना होगा कि यदि कोई विश्वास तोड़ता है, तो वह आपकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी अपनी नैतिकता की विफलता है। मित्रता को सुरक्षित रखने के लिए सिद्धांतों के साथ-साथ 'पारदर्शिता' और 'निरंतर संवाद' अनिवार्य है। मन की गाँठों को समय रहते खोल लेना ही बुद्धिमानी है। अंततः, जो समय की कसौटी पर टूट जाए, वह शायद कभी सच्ची मित्रता थी ही नहीं। सच्ची मित्रता वह है जो मतभेदों के तूफान में भी विश्वास के लंगर को मजबूती से थामे रहे। दर्द से सीखें, खुद को संवारें और एक नई सतर्कता के साथ पुनः विश्वास करना शुरू करें, क्योंकि दुनिया में भले ही कुछ डोर कच्ची हों, लेकिन सिद्धांतों की गरिमा आज भी जीवित है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर की रीजन कार्यकारिणी बैठक बड़जात्या सभागार में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025 को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर की रीजन कार्यकारिणी बैठक बड़जात्या सभागार, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर में सायं 8:00 बजे से सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में रीजन के अधीनस्थ ग्रुपों के अध्यक्ष, सचिव, रीजन कार्यकारिणी पदाधिकारी तथा फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। रीजन सचिव नीरज जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ जयपुर रीजन अध्यक्ष सुनील बज की अनुमति से भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक के वाचन के साथ किया गया। इसके पश्चात रीजन सचिव द्वारा गत बैठक के कार्यवृत्त (मिनट्स) का सभा के समक्ष वाचन किया गया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। साथ ही, गत बैठक से लेकर वर्तमान बैठक तक जयपुर रीजन एवं सहयोगी ग्रुपों द्वारा संपन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों की विस्तृत जानकारी सभा को प्रदान की गई। रीजन कोषाध्यक्ष प्रमोद सोनी ने बताया कि अध्यक्षीय उद्बोधन में रीजन अध्यक्ष सुनील बज ने दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा आगामी प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने रीजन के सभी अधीनस्थ ग्रुपों के अध्यक्षों, सचिवों एवं पदाधिकारियों से इन कार्यक्रमों में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इसके साथ ही फेडरेशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर 25 जनवरी 2026 को दस्तूर गार्डन, इंदौर में आयोजित होने वाले तृतीय अंतर्राष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन में अधिक से अधिक प्रविष्टियां भेजने एवं विज्ञापन सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। बैठक में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या, यशकमल अजमेरा, राष्ट्रीय महासचिव सलाहकार अतुल बिलाला तथा राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव एवं जयपुर रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने अपने प्रेरक उद्बोधनों के माध्यम से जयपुर रीजन को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर सभा में उपस्थित जयपुर मेन ग्रुप के नवमनोनीत अध्यक्ष धनु कुमार जैन, सचिव हीराचंद बेद, कोषाध्यक्ष विनय कुमार छाबड़ा तथा सन्मति ग्रुप के नवमनोनीत अध्यक्ष राजेश पाटनी एवं संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका का जयपुर रीजन के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दुपट्टा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। सभी वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं रीजन पदाधिकारियों के उद्बोधनों के उपरांत रीजन सचिव नीरज जैन ने जयपुर रीजन के तत्वावधान में, सभी ग्रुपों के सहयोग से एवं वीर ग्रुप के संयोजन

में आगामी 31 दिसंबर 2025 को गजब गांव, वी.के.आई. रोड नंबर-9, सीकर रोड, जयपुर में सायं 4:30 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक प्रस्तावित ''नववर्ष 2026 स्वागत पार्टी'' तथा 11 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले ''पतंगोत्सव'' कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं, प्रवेश शुल्क एवं आयोजन विवरण की जानकारी सभा को दी। बैठक के अंत में 25 जनवरी 2026 को दस्तूर गार्डन, इंदौर में फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'तृतीय अंतर्राष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन' के पोस्टर का विमोचन किया गया। सभा का समापन शांतिपाठ के साथ हुआ। शांतिपाठ के पश्चात जयपुर रीजन कार्याध्यक्ष सुरेश जैन (बांदीकुई) ने बैठक में पधारे फेडरेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, रीजन पदाधिकारियों एवं सभी ग्रुप अध्यक्ष-सचिवों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में जयपुर मेन, गुलाबी नगर, नवकार, आदिनाथ, डायमंड, मैत्री, संगीनी फॉरेवर, सम्यक, वीर, सन्मति एवं विराट ग्रुप के पदाधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

सभ्यता : शब्दों से नहीं, व्यवहार से

सभ्यता केवल सुंदर शब्दों का प्रयोग करने या मधुर भाषा बोलने तक सीमित नहीं है। वास्तविक सभ्यता मनुष्य के व्यवहार में झलकती है—उसके आचरण, सोच और दूसरों के प्रति दृष्टिकोण में। कई बार लोग शब्दों में अत्यंत शालीन प्रतीत होते हैं, लेकिन उनका व्यवहार कठोर, स्वार्थी अथवा अहंकारी होता है। ऐसे में शब्द खोखले लगने लगते हैं और व्यक्ति की असली पहचान उसके व्यवहार से ही होती है। सभ्य व्यक्ति वही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी संयम नहीं खोता। जब क्रोध आने का पूरा कारण हो, तब भी यदि वह मयार्दा बनाए रखता है, तो वही उसकी सभ्यता का सच्चा प्रमाण है। ऊँची आवाज में बोलना, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना या दूसरों को नीचा दिखाना किसी भी स्थिति में सभ्यता नहीं कहलाता। व्यवहार से ही यह स्पष्ट होता है कि हम दूसरों का कितना सम्मान करते हैं। बुजुर्गों के प्रति आदर, महिलाओं के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह और कमजोरों के प्रति करुणा—यही सभ्यता के मूल आधार हैं। एक सभ्य समाज वही होता है जहाँ व्यक्ति केवल अपने अधिकारों की नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों की भी समान रूप से चिंता करता है। आज के आधुनिक और डिजिटल युग में शब्दों की भरमार है—संदेश, पोस्ट और टिप्पणियाँ हर ओर दिखाई देती हैं। किंतु इन शब्दों के पीछे छिपा व्यवहार ही यह तय करता है कि हम वास्तव में कितने सभ्य हैं। कटु टिप्पणियाँ, असंवेदनशील मजाक और अनावश्यक आलोचना असभ्यता के ही रूप हैं, चाहे उन्हें कितनी ही सुसंस्कृत भाषा में क्यों न प्रस्तुत किया जाए। अंततः सभ्यता दिखावे की नहीं, बल्कि आत्मानुशासन की माँग करती है। शब्द क्षणिक होते हैं, पर व्यवहार स्थायी प्रभाव छोड़ता है। जो व्यक्ति अपने आचरण से दूसरों के जीवन में शांति, सम्मान और विश्वास जोड़ता है, वही सच्चे अर्थों में सभ्य कहलाता है।

—अनिल माथुर ज्वाला-विहार, जोधपुर

परम पूज्य मुनि श्री अर्जित सागर महाराज का रामगंजमंडी में मंगल प्रवेश

शांतिनाथ भगवान के दर्शन कर गुरुदेव हुए भावविभोर

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 देवनंदी गुरुदेव के परम शिष्य मुनि श्री 108 अर्जित सागर महाराज का बुधवार को रामगंजमंडी नगर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मंगल आगमन हुआ। दोपहर की बेला में महाराज श्री ने मोडक से मंगल विहार करते हुए रामगंजमंडी नगर में प्रवेश किया। मार्ग में उन्होंने खैराबाद दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए। नगर सीमा में पहुंचने पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा गुरुदेव का पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भावपूर्ण अगवानी की गई। महाराज श्री के मंगल विहार में सुनील जैन (चाचा), महेश कटारिया, हार्दिक कटारिया, दर्पक कटारिया, नितिन जैन, भूपेंद्र जैन, शुभम जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता प्रदान की। गुरुदेव ने महावीर दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन करने के पश्चात श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवेश किया। मंदिर के मुख्य द्वार पर संरक्षक अजीत सेठी, अध्यक्ष दिलीप विनायका, उपाध्यक्ष कमल लुहाड़िया, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र लुहाड़िया एवं रमेश विनायका सहित मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत महाराज श्री ने जिनालय के दर्शन कर संपूर्ण मंदिर की परिक्रमा करते हुए प्रतिमाओं का एकटक भाव से अवलोकन किया।

जैन तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की सामूहिक यात्रा पर रवाना हुआ जैन व गुर्जर समाज

दीपक प्रधान की विशेष रिपोर्ट

धामनोद. शाबाश इंडिया। जैन तीर्थयात्रा संघ, लोनारा के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली सामूहिक तीर्थयात्रा के अंतर्गत इस वर्ष जैन धर्म के तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की विशेष यात्रा का आयोजन किया गया है। यह तीर्थयात्रा 24 दिसंबर से 3 जनवरी तक चलेगी, जिसमें जैन एवं गुर्जर समाज के कुल 65 श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। यात्रा

यात्रा में शामिल बद्री मुकाती, रमेश पटेल सहित अन्य यात्रियों ने बताया कि उन्होंने पूर्व में सम्मेद शिखरजी की यात्रा पांच बार की है, किंतु सभी तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की सामूहिक यात्रा का यह उनका प्रथम अवसर है। इस यात्रा में कुल 25 जैन तीर्थ क्षेत्रों की वंदना की जाएगी, जिसे लेकर यात्रियों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का भाव है।

संयोजक आशीष जैन एवं सोहिल जैन ने बताया कि इस ऐतिहासिक यात्रा में खरगोन, लोनारा, खंडवा, महेश्वर, मंडलेश्वर, पंधाना, भीकनगांव, इंदौर, मलकापुर, पुणे एवं भोपाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु सम्मिलित हुए हैं। बुधवार को लोनारा में यात्रियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस यात्रा की विशेष बात यह है कि जन्म से जैन न होने के बावजूद लोनारा के गुर्जर समाज के 13 श्रद्धालु, जो पूर्ण रूप से जैन धर्म के सिद्धांतों का पालन करते हैं, भी इस तीर्थयात्रा में सहभागी बने हैं। यह सामाजिक समरसता एवं धार्मिक सौहार्द का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या सहित जैन धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों की वंदना करेंगे। अयोध्या न केवल भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, बल्कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ, द्वितीय तीर्थंकर अजितनाथ, चतुर्थ तीर्थंकर अभिनंदननाथ, पंचम तीर्थंकर सुमतिनाथ एवं चौदहवें तीर्थंकर अनंतनाथ भगवान की भी जन्मभूमि मानी जाती है। जैन धर्म में सम्मेद शिखरजी एवं अयोध्या को शाश्वत तीर्थ का विशेष स्थान प्राप्त है। यात्रा में शामिल बद्री मुकाती, रमेश पटेल सहित अन्य यात्रियों ने बताया कि उन्होंने पूर्व में सम्मेद शिखरजी की यात्रा पांच बार की है, किंतु सभी तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की सामूहिक यात्रा का यह उनका प्रथम अवसर है। इस यात्रा में कुल 25 जैन तीर्थ क्षेत्रों की वंदना की जाएगी, जिसे लेकर यात्रियों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का भाव है। इस अवसर पर भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के संपादक राजेन्द्र जैन महावीर (सनावद) ने कहा कि लोनारा ग्राम सर्वधर्म सद्भावना का प्रतीक है, जहाँ जैन एवं गुर्जर समाज मिलकर श्रमण संस्कृति और वैदिक संस्कृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों का पालन करते हुए देश को सामाजिक शुचिता और एकता का संदेश दे रहे हैं।

डॉ. सोनल कुमार जैन को जैनागम एवं प्राकृत साहित्य में स्वर्ण पदक

पाँचवीं स्नातकोत्तर उपाधि पर मिला स्वर्ण पदक

सागर. शाबाश इंडिया

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के 33वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर जैन दर्शन एवं प्राकृत साहित्य में एम.ए. परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रिपरिषद् के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री एवं युवा मनीषी डॉ. सोनल कुमार जैन को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से वर्तमान में 202 महाविद्यालय संबद्ध हैं। इस दीक्षांत समारोह में कुल 254 शोधोपाधियाँ तथा 109 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े (राज्यपाल, राजस्थान), प्रेमचंद बैरवा (माननीय उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार), मंजू बाघमार (माननीय राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार) सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वर्ण पदक का वितरण इन्हीं विशिष्ट अतिथियों के करकमलों से किया गया। दीक्षांत समारोह का मुख्य दीक्षांत भाषण गुलाब चंद कटारिया (राज्यपाल, पंजाब एवं प्रशासक, केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़) द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. सोनल कुमार जैन को प्राप्त यह स्वर्ण पदक उनका अब तक का सातवाँ स्वर्ण पदक है, जो उन्हें पाँचवीं स्नातकोत्तर उपाधि पर प्राप्त हुआ है। उनकी इस उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि पर अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रिपरिषद् सहित देशभर के अनेक विद्वज्जनों, शिक्षाविदों, मनीषी विद्यार्थियों, सागर परिजनों एवं समाजजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मुनि श्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर नसीराबाद आगमन का निवेदन

नसीराबाद (रोहित जैन)। किशनगढ़ में विराजमान पट्टाचार्य भगवंत श्री 108 विशुद्धसागर जी यतीराज के सुशिष्य, परम पूज्य सवेगी महाश्रमण मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज के श्रीचरणों में नसीराबाद दिगंबर जैन समाज की ओर से बुधवार को श्रीफल अर्पित कर नसीराबाद आगमन हेतु विनम्र निवेदन किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने मुनि श्री से नसीराबाद पधारने का आग्रह करते हुए धर्मप्रभावना एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ देने की प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान ओमप्रकाश बडजात्या, मनोज बाकलीवाल, शेखर बडजात्या, विनोद पाटनी, विनोद अजमेरा, निर्मल गदिया तथा अरुण अजमेरा उपस्थित रहे।

नंदजी के अंगना में गूंजी बधाइयां, भागवत कथा में मना कृष्ण व राम जन्मोत्सव

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शहर के रोडवेज बस स्टैंड के समीप स्थित अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को कृष्ण जन्मोत्सव और राम जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन हुआ। कथा के दौरान ऐसा वातावरण बन गया मानो पूरा पांडाल नंदगांव में परिवर्तित हो गया हो। कथा वाचन मुमुक्षु रामजी महाराज के सानिध्य में हुआ। जैसे ही कृष्ण जन्म का प्रसंग आया, ''नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की'' जैसे बधाई गीतों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। बाल गोपाल की सजीव झांकी, वासुदेव द्वारा टोकरी में कृष्ण को लेकर मंच पर आगमन और पुष्पवर्षा ने भक्तों का मन मोह लिया। संत मुमुक्षु रामजी महाराज ने कहा कि भगवान का अवतार धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश के लिए होता है। जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब ईश्वर किसी न किसी रूप में अवतरित होते हैं। उन्होंने दान की महिमा बताते हुए दैत्यराज बलि और वामन अवतार प्रसंग का उल्लेख किया। राम जन्म प्रसंग में उन्होंने कहा कि श्रीराम का चरित्र मानव जीवन के लिए आदर्श है और उसके अनुसरण से कल्याण संभव है। कथा के दौरान ''गंगा रानी जय हो महारानी'', ''हरे कृष्ण हरे कृष्ण'' सहित अनेक भजनों पर श्रद्धालु नृत्य करते रहे। कार्यक्रम में हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक हो रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

वृक्ष गोद पर्यावरण मित्र सम्मान 2025 : विद्यार्थियों की हरियाली से सजी पर्यावरणीय पहल

चौमूं. शाबाश इंडिया

श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमूं एवं अमृता पर्यावरण संरक्षण मंच चौमूं के संयुक्त तत्वावधान में वृक्ष गोद पर्यावरण मित्र सम्मानझ2025 का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नांगल भरड़ा में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम स्वर्गीय श्री गोपाल लाल सोगण की स्मृति में संचालित वृक्षारोपण अभियान की निरंतरता का प्रतीक रहा। उल्लेखनीय है कि 18 जुलाई 2024 को आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत 16 विद्यार्थियों ने वृक्षों को गोद लिया था। इन विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष भर वृक्षों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण किया।पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी इस सराहनीय जिम्मेदारी के लिए उन्हें वृक्ष गोद पर्यावरण मित्र सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन सोनी, उपप्रधानाचार्य ओमप्रकाश एवं उपप्रधानाचार्य निशा का तिरंगा दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमूं के अध्यक्ष एवं रंगमंच कलाकार सुनील सोगण द्वारा प्रकृति संरक्षण पर आधारित एकल नाटक मुझे वानर बना दो का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक ने उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का सशक्त और भावनात्मक संदेश दिया। अमृता पर्यावरण संरक्षण मंच चौमूं के अध्यक्ष घनश्याम जांगिड़ ने अपने संबोधन में कहा कि यदि विद्यार्थी प्रारंभ से ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और उसका निर्वहन करें, तो आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ वातावरण और हरित पृथ्वी का अमूल्य उपहार दिया जा सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन सोनी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में घनश्याम जांगिड़ द्वारा विद्यालय परिवार को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर मीना चौधरी, मंजू मीणा, लालचंद शर्मा, अरुण घोसल्या, महेंद्र कुमावत, लालूराम जाट, एकता शर्मा, पवनलाल जाट, अशोक चौधरी, संतोष मांड्या, सुनीता मीणा, राजेंद्र धानका, विनीता विजय तथा मंच के कार्यकर्ता विक्की सैनी सहित अनेक शिक्षकगण एवं विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

परम पूज्य मुनि श्री अर्जित सागर महाराज का रामगंजमंडी में मंगल प्रवेश

शांतिनाथ भगवान के दर्शन कर गुरुदेव हुए गदगद

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 देवनंदी गुरुदेव के परम शिष्य मुनि श्री 108 अर्जित सागर महाराज का बुधवार को रामगंजमंडी नगर में भव्य एवं श्रद्धापूर्ण मंगल प्रवेश हुआ। दोपहर की बेला में महाराज श्री ने मोडक से विहार करते हुए रामगंजमंडी नगर में प्रवेश किया। मार्ग में उन्होंने खैराबाद दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए। नगर सीमा में प्रवेश करते ही विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा गुरुदेव का पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर आत्मीय स्वागत किया गया। महाराज श्री के मंगल विहार में सुनील जैन (चाचा), महेश कटारिया, हार्दिक कटारिया, दर्पक कटारिया, नितिन जैन, भूपेंद्र जैन, शुभम जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता प्रदान की। गुरुदेव ने महावीर दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन करने के पश्चात श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंदिर के मुख्य द्वार पर संरक्षक अजीत सेठी, अध्यक्ष दिलीप विनायका, उपाध्यक्ष कमल लुहाड़िया, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र लुहाड़िया तथा रमेश विनायका सहित मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर गुरुदेव की अगवानी की। इसके उपरांत महाराज श्री ने जिनालय में प्रवेश कर समस्त प्रतिमाओं के दर्शन किए तथा मंदिर की परिक्रमा करते हुए भाव-विभोर होकर प्रतिमाओं का अवलोकन किया। महाराज श्री ने मूलनायक शांतिनाथ भगवान को अतिशययुक्त बताते हुए कहा कि शांतिनाथ भगवान एवं कुंथुनाथ भगवान सहित समस्त जिनालयों के दर्शन से उनका मन अत्यंत गदगद हो गया और पैदल विहार की समस्त थकान स्वतः ही समाप्त हो गई। उन्होंने मंदिर समिति एवं समाज की भक्ति की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि नगर में पूर्व में हुए अनेक चातुमार्सों के संस्कार आज भी स्पष्ट रूप से पल्लवित होते दिखाई देते हैं। महाराज श्री के त्यागमय जीवन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उन्होंने दीक्षा के समय ही नमक, तेल, घी, शक्कर, मुनक्का, दूध एवं दूध से बनी वस्तुओं, फल, हरी सब्जियों तथा गेहूं का आजीवन त्याग कर दिया था। पंचम काल में यह तपस्या अत्यंत दुर्लभ एवं अद्भुत मानी जाती है। आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि गुरुदेव का विहार णमोकार तीर्थ, नासिक की ओर प्रस्तावित है, जहां फरवरी माह में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा। इस महोत्सव में लगभग 400 से अधिक पिच्छिका साधुओं के आगमन की संभावना है तथा लगभग तीन हजार प्रतिमाओं का पंचकल्याणक संपन्न होगा। गुरुवार की प्रातः बेला में महाराज श्री के मंगल प्रवचन एवं मंगल आहारचर्या का आयोजन किया जाएगा।

महाराज श्री के त्यागमय जीवन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उन्होंने दीक्षा के समय ही नमक, तेल, घी, शक्कर, मुनक्का, दूध एवं दूध से बनी वस्तुओं, फल, हरी सब्जियों तथा गेहूं का आजीवन त्याग कर दिया था। पंचम काल में यह तपस्या अत्यंत दुर्लभ एवं अद्भुत मानी जाती है। आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि गुरुदेव का विहार णमोकार तीर्थ, नासिक की ओर प्रस्तावित है, जहां फरवरी माह में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा।

अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी
9929747312

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय की आईक्यूएसी इकाई के अंतर्गत अमर जैन अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय के स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन आदि की भी जांच की गई। चिकित्सा शिविर में अमर जैन अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पवित्रा शर्मा, जनरल फिजिशियन डॉ. प्रदीप तथा नर्सिंग स्टाफ से भानु एवं श्रीमती कंचन ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान डॉ. पवित्रा शर्मा द्वारा छात्राओं के लिए 'वूमेन हेल्थ एंड वेलनेस' विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने छात्राओं को स्त्री रोगों, उनके लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सत्र के दौरान छात्राओं ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। डॉ. शर्मा ने बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के कारणों, उससे बचाव तथा उपलब्ध वैक्सीन की जानकारी देकर छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम का संयोजन असिस्टेंट प्रोफेसर अनिल जैन द्वारा किया गया, जबकि आईक्यूएसी समन्वयक एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रुति पारीक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। **प्रेषकः अमित कुमार जैन**

सिद्धचक्र विधान में 1024 अर्घ्य समर्पित कर आचार्य सन्मति सागर महाराज का समाधि दिवस मनाया गया

टीकमगढ़.मुकेश जैन लार। निकटवर्ती श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र आहार जी में सिद्धचक्र विधान महामंडल के अंतर्गत आयोजित छह दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवें दिन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर मुनि श्री 108 श्रुतेश सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुश्रुत सागर जी महाराज के मंगल पावन सानिध्य में मंडल पर 1024 अर्घ्य समर्पित किए गए। सौधर्म अनुराग जैन ने बताया कि प्रातः पांडुक शिला में विराजमान भगवान का रजत कलशों से अभिषेक किया गया। रिद्धि-सिद्धि एवं सुख-शांति प्रदाता शांति धारा करने का सौभाग्य अशोक जैन, आकाश जैन एवं धनीराम जैन (घुवरा वालों) को प्राप्त हुआ। शांति धारा के पश्चात श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से नृत्य करते हुए श्रीजी की संगीतमय आरती की। विधानाचार्य ब्रह्मचारी संजय भैया (आहार) के कुशल निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवें दिन देव, शास्त्र, गुरु एवं नव देवताओं की विधिवत पूजा संपन्न हुई। क्षेत्र प्रांगण में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ के अंतर्गत 1024 अर्घ्य समर्पित कर संपूर्ण विश्व में सुख-समृद्धि की कामना की गई। साथ ही पांडुक शिला में विराजमान सिद्ध यंत्र पर 1024 बार मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया गया, जिससे संपूर्ण पंडाल मंत्रध्वनि से गूंज उठा। तत्पश्चात मुनि श्री का पद प्रक्षालन करने का सौभाग्य राजस्थान से आए गुरु भक्तों को तथा शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य बक्सवाहा से आए गुरु भक्तों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आदिसागर अंकलीकर परंपरा के तृतीय पट्टाचार्य आचार्य श्री सन्मति सागर महाराज का 16वां समाधि दिवस बड़े श्रद्धा भाव से मनाया गया। आदिसागर अंकलीकर परंपरा के चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य श्री सुनील सागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से आचार्य सन्मति सागर विधान पूजन का आयोजन किया गया। दोपहर में कुबेर परिवार एवं यज्ञनायक परिवार की ओर से भजनों की प्रस्तुति हुई, जबकि सायंकाल महाआरती का सौभाग्य डॉ. अरविंद्र जैन लार को प्राप्त हुआ। टीकमगढ़ महिला मंडल द्वारा सुंदर नाटिका का मंचन कर कार्यक्रम को भावपूर्ण बनाया गया।

मोह के त्याग के बिना संसार से बेड़ा पार संभव नहीं: आचार्य विनिश्चय सागर महाराज

राजस्थान विधानसभा का किया अवलोकन, विधायकों ने लिया आशीर्वाद

राणाजी की नसियां में सायंकाल भव्य मंगल प्रवेश

गुरुवार को अतिशय क्षेत्र चूलगिरी की पर्वत वंदना, आहारचर्या व सामायिक के बाद कानोता के लिए मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा का अवलोकन किया। इस अवसर पर विधायकों एवं विधानसभा के कार्मिकों ने आचार्य श्री ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गई। कैलाश वर्मा (बगरू विधायक), राजेन्द्र गुर्जर (देवलीझउनियारा विधायक) सहित नरेश कासलीवाल, रवि जैन एवं अन्य श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री ससंघ से आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व आचार्य श्री ससंघ ने जनकपुरी इमलीवाला फाटक स्थित दिगंबर जैन मंदिर से मंगल विहार कर राजस्थान विधानसभा पहुंचकर दर्शन किए।

धर्मसभा में प्रवचन

प्रातः जनकपुरी दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि मोह को नष्ट किए बिना आत्म-कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अनेक लोग कठोर व्रत एवं उपवास तो कर लेते हैं, परंतु जब तक आत्मा से मोह समाप्त नहीं होता, तब तक अंतरंग की शुद्धि नहीं हो सकती। आचार्य श्री ने कहा कि मोह का त्याग किए बिना संसार से बेड़ा पार नहीं हो सकता। दिगंबर जैन संतों के अनुसार विवेक से जीना ही सच्चा धर्म है। हमने ग्रंथ तो पढ़ लिए, पर विवेक का प्रयोग नहीं किया, इसी कारण हम भटक गए। अपने ज्ञान से आत्मा को भगवान बनाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए, केवल भक्त बने रहना नहीं। दिगंबर मुनि समस्त परिग्रहों का त्याग कर देते हैं, जो इस बात का प्रतीक है कि उन्होंने मोह पर विजय प्राप्त कर ली है। इससे पूर्व मंगलाचरण, दीप प्रज्ज्वलन किया गया। पाद-प्रक्षालन मुनि भक्त अशोक-अंजू बाकलीवाल परिवार द्वारा किया गया। जिनवाणी स्तुति के साथ धर्मसभा का समापन हुआ। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, श्री धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष पदमचंद बिलाला, मंदिर समिति अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश छाबड़ा, मंत्री देवेंद्र कासलीवाल, ज्ञानचंद भौंच, पूनमचंद कासलीवाल, नरेश कासलीवाल, ताराचंद गोधा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। लालकोठी से पूनम कासलीवाल, मनोज कासलीवाल; बापूनगर से अध्यक्ष राजकुमार सेठी, मंत्री संजय पाटनी, सुरेंद्र मोदी, रमेश बोहरा तथा राणाजी की नसियां से पवन राणा सहित चूलगिरी क्षेत्र के दिगंबर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर अल्प प्रवास के लिए निवेदन किया। मंच संचालन पदमचंद बिलाला ने किया। **मंगल विहार एवं प्रवेश:** जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार बुधवार, 24 दिसंबर को दोपहर 1:15 बजे जनकपुरी दिगंबर जैन मंदिर से आचार्य विनिश्चय सागर महाराज का राणाजी की नसियां, खानियां के लिए मंगल विहार हुआ। मार्ग में राजस्थान विधानसभा के अवलोकन के साथ लालकोठी के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बापूनगर गणेश मार्ग स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय, मुल्तान दिगंबर जैन मंदिर तथा सेठी कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए गए। मार्ग में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर आचार्य संघ की अगवानी की गई। सायंकाल 5:00 बजे खानियां स्थित मुरलीधर जी राणा की नसियां में आचार्य श्री ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति द्वारा पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर स्वागत किया गया। सायंकाल जिज्ञासा समाधान एवं आरती का आयोजन भी हुआ। **आगामी कार्यक्रम:** विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि गुरुवार, 25 दिसंबर को प्रातः आचार्य श्री ससंघ अतिशय क्षेत्र चूलगिरी की पर्वत वंदना के लिए प्रस्थान करेगा। पर्वत पर मंदिर जी में अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात राणाजी की नसियां लौटकर आहारचर्या संपन्न होगी। सामायिक के बाद दोपहर 1:00 बजे आचार्य श्री ससंघ का कानोता की ओर मंगल विहार होगा। उन्होंने बताया कि श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का रामगंजमंडी से जयपुर होते हुए दिल्ली एवं करनाल की ओर मंगल विहार जारी है। यह विहार आगरा रोड, दौसा, सिकंदरा, बसवां, बांदीकुई, राजगढ़, अलवर एवं दिल्ली होते हुए करनाल तक प्रस्तावित है।

विनोद जैन कोटखावदा: महामंत्री
आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति, जयपुर

जे. डी. जैन स्कूल में 'अरावली का महत्व' व 'तुलसी पूजन' कार्यक्रम आयोजित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

श्री जे. डी. जैन इंग्लिश मीडियम सेकेंडरी स्कूल में दिनांक 24 दिसंबर 2025 को 'अरावली का महत्व' एवं 'तुलसी पूजन' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शशि सोनी ने विद्यार्थियों को तुलसी पौधे के धार्मिक, औषधीय एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जहाँ तुलसी का पौधा होता है, वहाँ सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा इसमें कैंसर जैसे असाध्य रोगों से लड़ने की क्षमता पाई जाती है। इसके

पश्चात तुलसी जी का विधिवत पूजन किया गया एवं विद्यार्थियों व विद्यालय स्टाफ द्वारा सामूहिक आरती की गई। कार्यक्रम के अगले सत्र में प्रधानाचार्या शशि सोनी एवं वीरेंद्र सिंह द्वारा अरावली पर्वतमाला के पारिस्थितिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि अरावली पर्वतमाला पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण एवं जैव विविधता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने 'अरावली का महत्व' विषय पर बनाए गए विभिन्न पोस्टर प्रदर्शित किए, जिन्हें सराहा गया। विद्यालय सचिव श्री संतोष पहाड़िया ने इस प्रकार के संस्कारवर्धक एवं जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायी संदेश के साथ किया गया।

प्रधानाचार्या:
श्रीमती शशि सोनी

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा स्वेटर वितरण: सेवा से सजे विद्यार्थियों के चेहरे, हर ओर खुशी की झलक

नौगामा / बागीदौरा. शाबाश इंडिया

''सबकी सेवा, सबको प्यार'' के संकल्प के साथ महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रतनपुरा (ब्लॉक बागीदौरा) में विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किया गया। इस सेवा कार्य से विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलकता नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थानाधिकारी रमेश पाटीदार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक शिक्षा कार्यालय से एसीबीईओ नीरज दोसी, महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, विधान आचार्य रमेश चंद्र गांधी, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) से अमित दोसी, अकाउंटेंट कालिया बुनकर, शाखा के वीर सदस्य नरेश जैन, शाखा सचिव कैलाश पंचोली, विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार भुकल, एसएमसी अध्यक्ष मनोहरलाल एवं वरिष्ठ अध्यापक वालजी अड़ उपस्थित रहे। इस अवसर पर थानाधिकारी रमेश पाटीदार ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, शराब पीकर वाहन न चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। एसीबीईओ नीरज दोसी ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल मानव मात्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहती है। ब्लॉक बागीदौरा में विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण कर संस्था ने सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारतीय जीवन बीमा निगम से अमित दोसी ने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि उनकी ओर से अन्य विद्यालयों में वितरण हेतु 100 स्वेटर प्रदान करने के लिए राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर शाखा की ओर से सभी अतिथियों को जीवन रक्षक किट भेंट की गई तथा उसके महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही एपेक्स कार्यालय से प्राप्त महावीर प्रवाह (स्वर्ण जयंती वर्ष अंक) एवं दोस्ती से सेवा पत्रिका भी भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अध्यापक नारेंग पटेल द्वारा किया गया। भामाशाह के रूप में भूराजी जीनल, कोठारी कपिल बुनकर का भी सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ से छगन रोत, विस्मिता जैन, मगन डामोर, हितेश कुमार पटेल, मकन सिंह, नारेंग पटेल, रुथ मीणा, शकुना खाट, रीता जैन, मनीषा जैन, मयंक हुंवोर, हितेश पटेल सहित अन्य शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन वरिष्ठ अध्यापक हितेश कुमार पटेल द्वारा किया गया।

क्रिसमस स्पोर्ट्स फिएस्टा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में शुक्रवार को क्रिसमस स्पोर्ट्स फिएस्टा का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के माननीय अध्यक्ष उमरावमल सांघी द्वारा टॉर्च लाइट प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने जुम्बा सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। खेलों में फेयरी रेस, गो ग्रीन रेस, मंकी रेस, रिंग ऑन द टॉस, फ्रॉग रेस, हनी बी रेस, बन्नी रेस, टरटल रेस, थ्री लेग्ड रेस, फ्लैग रेस, सैक रेस, संता रेस तथा क्लैप योगा शामिल रहे। बच्चों की उमंग और जोश ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के मानद मंत्री सुनील बक्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, कन्वीनर मुकेश सोगानी एवं आर. के. जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभिभावकों के लिए भी मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी विजेता विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया, वहीं अभिभावकों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय की प्रिंसिपल हेमलता जैन ने अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। अंत में मानद मंत्री सुनील बक्शी ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समापन हर्ष, उल्लास और खेल भावना के साथ हुआ।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा वखतपूरा (अरथूना) उमावि में जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित

गढ़ी परतापुर। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा हृदय सुरक्षा प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वखतपूरा में गुरुजनों को जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य मणिलाल ताबियार ने की, जबकि मुख्य वक्ता इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया रहे। मुख्य वक्ता अजीत कोठिया ने हृदयाघात की बढ़ती घटनाओं के संदर्भ में प्राथमिक उपचार के रूप में महावीर इंटरनेशनल की जीवन रक्षक टैबलेट किट की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह किट रोगी को अस्पताल तक पहुंचने के दौरान सुरक्षा प्रदान करती है। सीने में दर्द या हृदयाघात की आशंका होने पर किट में उपलब्ध तीन टैबलेट– एस्पिरिन 150 मि.ग्रा., सोर्बिट्रेट 10 मि.ग्रा. तथा अटॉरवास्टेटिन 80 मि.ग्रा.– समय पर सेवन करने से प्राणरक्षक सिद्ध हो सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ सदस्यों हरीश पाटीदार, चमन पाटीदार, गजेंद्र ताबियार, प्रियंक उपाध्याय, जितेंद्र डिंडोर, प्रदीप निनामा, विनोद अहारी, सुशील खांट, दिनेश पाटीदार, शर्मिला शाह, कोमल उपाध्याय, पवन पाटीदार, मोहनलाल बामणिया, कमला मीणा, बदामीलाल डोडियार, शैलेश सुथार, पंकज पाटीदार, गायत्री पुरोहित, मनीष पुरोहित एवं हरीश पंड्या ने इस स्वास्थ्य पहल का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा आभार पवन कुमार पाटीदार ने व्यक्त किया। विद्यालय में कुल 21 जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गईं।

उड़ान स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में क्रिसमस समारोह आयोजित

नसीराबाद (रोहित जैन)। छावनी परिषद नसीराबाद द्वारा संचालित उड़ान स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल, हनुमान चौक, नसीराबाद में बुधवार को क्रिसमस का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन छावनी परिषद नसीराबाद के मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. नीतिश कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों की भी सक्रिय सहभागिता रही। बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे विद्यालय परिसर आनंद और उल्लास के वातावरण से सराबोर रहा। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सेंटर इंचार्ज आकाश जैदिया, स्पेशल एजुकेटर भीमराज सुमन एवं कृष्णा शर्मा, तथा फिजियोथैरेपिस्ट लक्षिका सनाढ्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने बच्चों के साथ मिलकर पर्व को यादगार बनाया।

वार्षिकोत्सव 'प्रेरणा से प्रगति' ने नई पीढ़ी को सुझाए जीवन प्रबंधन के सूत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर का 17वां वार्षिकोत्सव ''प्रेरणा से प्रगति तक'' विद्यालय के रुद्राक्ष सभागार में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नाट्य मंचन के माध्यम से विविध पौराणिक प्रसंगों को आधार बनाते हुए प्रेरणा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों की अंतर्निहित योग्यताओं को पहचानने, लक्ष्य निर्धारण तथा जीवन प्रबंधन के सूत्रों को उजागर किया गया, जिससे उपस्थित अभिभावकों और दर्शकों को सार्थक संदेश मिला। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के टॉपर्स सहित विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोहित मालपानी, पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अनिल साबू, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इलेक्ट्रोलाइट्स पावर प्राइवेट लिमिटेड रहे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष उमेश सोनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। महासचिव (शिक्षा) कमल सोमानी ने समिति की विविध शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को निरंतर कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के मानद सचिव सीए शरद काबरा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप किए जा रहे नवाचारों एवं आगामी लक्ष्यों की जानकारी साझा की। वार्षिकोत्सव में ईसीएमएस के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष (शिक्षा) निर्मल दरगड़, महामंत्री (समाज) सीए रोहित परवाल, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार मालू, विद्यालय भवन मंत्री अशोक अजमेरा तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की उपस्थिति विशेष रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक बैद ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सत्र 2025-26 में विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी दी।

राष्ट्रपति भवन में आर्यिका पूर्णमति माताजी का मंगल प्रवेश

इंदौर (राजेश जैन दद्दू)। श्रमण संस्कृति के महामहिम समाधिष्ठ आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं नवाचार आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की सुयोग्य भारत गौरव शिष्या आर्यिका पूर्णमति माताजी ससंघ ने अपने पावन पद-रज से राष्ट्रपति भवन को सुशोभित किया। धर्म एवं समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्यिका पूर्णमति माताजी का राष्ट्रपति भवन में भव्य मंगल प्रवेश हुआ, जहां उनका गरिमामय स्वागत विजेंद्र गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष, दिल्ली द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन परिसर में आचार्य श्री का जयघोष एवं 'नमोस्तु शासन जयवंत हो' के पावन उद्घोष गूंज उठे। इस दौरान आर्यिका पूर्णमति माताजी की द्रौपदी मुर्मु, भारत की राष्ट्रपति, से देशहित में आध्यात्मिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस संवाद में राष्ट्रहित, नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना एवं समाज के सर्वांगीण कल्याण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। आर्यिका पूर्णमति माताजी के इस ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी मंगल प्रवेश को जैन समाज सहित धमार्नुयायियों ने गौरव एवं प्रसन्नता के साथ स्मरणीय क्षण बताया।

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान दिवस मनाया

स्वामी श्रद्धानंद बनकर राष्ट्र, धर्म और समाज को समर्पित किया जीवन: सुमेधानंद सरस्वती

जयपुर. शाबाश इंडिया

आर्य वीर दल, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, आर्य समाज एवं पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में गांधी पथ, वैशाली नगर स्थित जानकी पैराडाइज में अमर हुतात्मा, गुरुकुल परंपरा के संस्थापक, स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक एवं महान देशभक्त स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान दिवस श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया। आयोजन से जुड़े देवेंद्र शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पंचकुंडीय यज्ञ से हुआ, जिसे यज्ञाचार्य दीपक शास्त्री ने विधिवत संपन्न कराया। इस अवसर पर सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि मुंशी राम नामक व्यक्ति, जो धन, वैभव और ऐश्वर्य पाकर दुर्व्यसनों एवं नास्तिकता की ओर अग्रसर हो गया था, महर्षि दयानंद के प्रथम विचार-संपर्क से महान व्यक्तित्व में परिवर्तित हुआ। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी श्रद्धानंद बनकर उन्होंने राष्ट्र, धर्म और समाज के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद ने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना कर अनेक राष्ट्रभक्त शिष्यों को तैयार किया और उन्हें राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। जलियांवाला बाग हत्याकांड के पश्चात निराशा और हताशा के वातावरण में उन्होंने रॉलेट एक्ट के विरुद्ध निर्भीकता और निडरता के साथ जननेतृत्व किया। इतना ही नहीं, अमृतसर में कांग्रेस अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष के रूप में उन्होंने जनता में आत्मसम्मान की भावना भी जागृत की। मुख्य वक्ता देहरादून से आए गौतम खट्टर ने कहा कि जब महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में मानवता की लड़ाई लड़ रहे थे, तब संकट के समय उन्हें सर्वाधिक आर्थिक सहयोग स्वामी श्रद्धानंद से ही प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि जब महात्मा गांधी स्वदेश लौटकर गुरुकुल कांगड़ी में स्वामी श्रद्धानंद से मिलने पहुंचे, तो वहीं उन्हें पहली बार 'महात्मा' कहकर संबोधित किया गया और वे 'मिस्टर गांधी' से 'महात्मा गांधी' बने। स्वामी श्रद्धानंद ने अपनी सद्धर्म प्रचारक प्रेस और जालंधर स्थित कोठी तक समाज और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दी थी। कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं धर्म जागरण प्रकोष्ठ के प्रभारी सत्यम राव तथा आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री विनोद आर्य ने भी संबोधित किया।

स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद ने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना कर अनेक राष्ट्रभक्त शिष्यों को तैयार किया और उन्हें राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। जलियांवाला बाग हत्याकांड के पश्चात निराशा और हताशा के वातावरण में उन्होंने रॉलेट एक्ट के विरुद्ध निर्भीकता और निडरता के साथ जननेतृत्व किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान वेदपाल शास्त्री ने की। इस अवसर पर अनिल आर्य ने भावी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के प्रभारी बजरंग सिंह शेखावत, सभा के कोषाध्यक्ष मोहनलाल आर्य, हनुमान शर्मा, बंशीधर आर्य, वेदप्रकाश कुमावत, हेमंत शर्मा, पंडित रविदत्त मेधार्थी, सुभाष आर्य, ब्रह्मप्रकाश आर्य, धर्म जागरण प्रकोष्ठ से विमल बागड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ईसागढ़ नगर में भव्य आगवानी, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

यांग मंडल विधान व वेदी प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ

ईसागढ़. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध जैनाचार्य राष्ट्रसंत निर्यापका आचार्य मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ एवं वर्णी श्री गम्भीर सागर जी महाराज ससंघ का अशोकनगर से विहार करते हुए बुधवार प्रातः ईसागढ़ नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगर की सीमाओं पर वहेरिया तिराहे से श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, पादप्रक्षालन व श्रीफल अर्पण कर ऐतिहासिक आगवानी की। नगर पालिका अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सिनाम सिंह यादव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भूपेन्द्र द्विवेदी, जैन समाज अशोकनगर अध्यक्ष राकेश कांसल, मंत्री विजय धुर्रा, सांसद प्रतिनिधि संजीव भारिल्य सहित अनेक गणमान्यजनों ने मुनिसंघ का स्वागत किया। इसके बाद विशाल शोभायात्रा के रूप में नगर प्रवेश कराया गया।

भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

वहेरिया तिराहे से निकली शोभायात्रा में आगे-आगे बैंड-बाजे, घोड़े पर सवार युवाओं द्वारा विश्व शांति ध्वज, विभिन्न सेवा दल, महिला मंडल, भजन-कीर्तन मंडलियां और श्रद्धालुओं का सैलाब शामिल रहा। मार्ग में अनेक स्थानों पर पादप्रक्षालन, आरती व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। चल समारोह मांगलिक भवन पहुंचकर विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गया।

धर्मसभा में राष्ट्रसंत का प्रेरक संदेश

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा, एक व्यक्ति की कलम ने ईसागढ़ को भारतभर में प्रसिद्धि दिला दी। उन्होंने जीवन में पश्चाताप, प्रायश्चित और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सजा को प्रायश्चित में बदलने का संकल्प ही आत्मकल्याण का मार्ग है। साधु-संत समाज में इसलिए आते हैं कि जीवन में सुधार हो और व्यक्ति अपने कर्मों के प्रति जिम्मेदार बने। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि मंगल चातुर्मास के पश्चात ईसागढ़ में परम पूज्य का यह प्रथम आगमन ऐतिहासिक है। इस अवसर पर नगर व समाज के पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम के साथ यांग मंडल विधान एवं वेदी प्रतिष्ठा समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ, जिससे पूरे नगर में भक्ति, अनुशासन और उल्लास का वातावरण बना रहा।

जीवन को धर्म कार्य में लगाएं: आर्यिका चन्द्रमती माताजी

ब्यावर में हुआ मंगल प्रवेश

ब्यावर. शाबाश इंडिया

आर्यिका श्री चन्द्रमती माताजी ससंघ का मंगलवार को ब्यावर नगर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मंगल प्रवेश हुआ। अजमेर रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका श्री चन्द्रमती माताजी ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसे धर्म कार्यों में लगाना ही इसकी वास्तविक सार्थकता है। उन्होंने कहा कि जीव अनेक बार जन्म लेता है, किंतु मानव योनि विशेष पुण्य से प्राप्त होती है, अतः इसका सदुपयोग करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। माताजी ने कहा कि जीवन एक बार ही मिलता है, इसलिए इसे धर्म, संयम और सदाचार के मार्ग पर लगाना चाहिए। बचपन, युवावस्था और वृद्धावस्था जीवन के विभिन्न चरण हैं, परंतु प्रत्येक अवस्था में धर्म का पालन संभव है। यदि दृष्टिकोण सकारात्मक हो, तो जीवन स्वतः ही सार्थक बन जाता है। श्री दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि आर्यिका माताजी ससंघ ने आज मांगलियावास से विहार करते हुए ब्यावर में मंगल प्रवेश किया। उन्होंने जानकारी दी कि बुधवार प्रातः माताजी के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियां में शांतिधारा का आयोजन होगा, जिसके पश्चात माताजी के प्रवचन संपन्न होंगे। प्रचार मंत्री अमित गोधा के अनुसार, आज विहार के दौरान श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजयकुमार फागीवाला, विकल कासलीवाल, संजय रांवका, अतुल

पाटनी, अक्षत कटारिया, आशीष बाकलीवाल, कल्पेश जैन, संजय गंगवाल, वीरकुमार रांवका, सुशील बड़जात्या, आनंद गंगवाल, धर्मेंद्र कटारिया, यश जैन, शरद जैन, सुधीर पाटनी, नितिन छाबड़ा, जम्बू कासलीवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

राष्ट्र गौरव अटल जी के जन्मदिन, सुशासन दिवस पर

परमाणु शक्ति सम्पन्न करा

इंजी. अरुण कुमार जैन

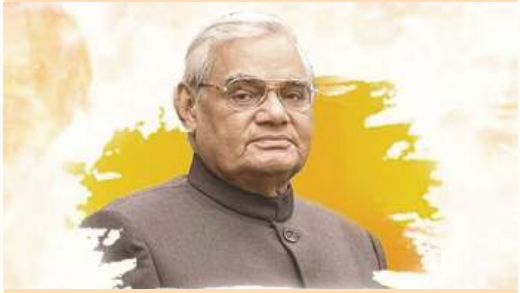

अपनी भाषा, अपनी धरती, अपना स्वाभिमान,
माँ का मान बढ़ाने वाले, राजर्षि तुम्हें प्रणाम।
नगर ग्वालियर जन्म लिया,
काव्य, राष्ट्र पहचान,
कानपुर को गौरव देकर, पाया सम्यक ज्ञान।

राष्ट्र प्रेम था रोम-रोम में,
हिंदी, हिंदू पहचान,
भारत भू के जन-गण के हित,
अर्पित थे प्रण-प्राण।
कारावास यंत्रणा भोगी,
किंचित न घबराए,
देश प्रेम हित कार्य सभी थे,
पल-क्षण बढ़ते आए।

संयुक्त राष्ट्र में गूंजी हिंदी,
इक नव गौरव पाया,
अखिल विश्व ने मंत्रमुग्ध हो,
हिंदी का यश गाया।
किया राष्ट्र नेतृत्व श्रेष्ठ,
नए शिखर तक लाए,
परमाणु शक्ति सम्पन्न करा,
इतिहास नया रच पाए।

नहीं डरे जग आकाओं से,
स्वाभिमान सिखलाया,
स्वर्णिम चतुर्भुज बनवाकर,
सबको सतत बढ़ाया।
ओजस्वी वाणी सुनकर के,
प्रेरक जन-जन होते,
अंतर्मन को कविता छूती,
अहलादित सब होते।

दसवें राष्ट्र प्रधान, देश के
'भारत रत्न' का गौरव,
अखिल विश्व के अनुरागी थे,
पावन सुरभि-सौरभ।
जन्मदिवस पावन अवसर पर,
वंदन, नमन स्वीकारें,
सुशासन के दिव्य प्रणेता,
हम सब गुण अपनाएँ।

कृतज्ञ राष्ट्र करता है वंदन,
सतत प्रेरणा पाएं,
हर युग अटल रहें वसुधा पर,
नित प्रति पथ दर्शाएं।

'सुख का मूल कारण धर्म है' : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

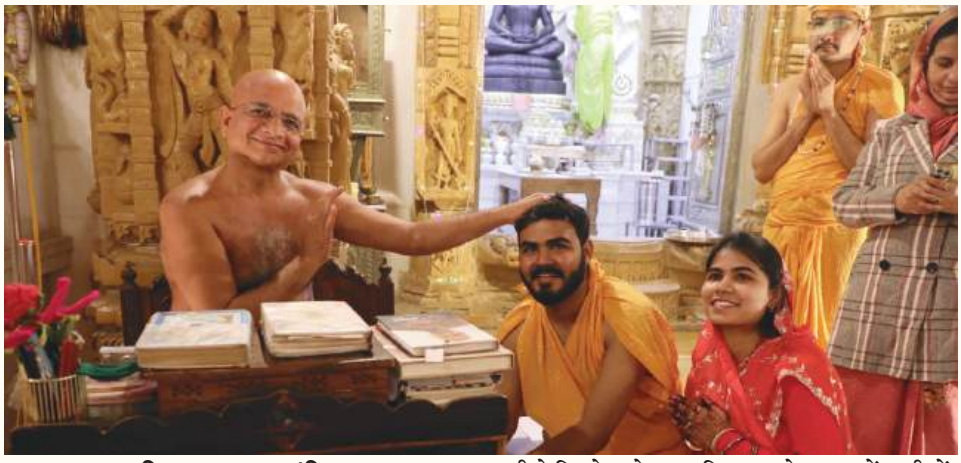

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। इसी क्रम में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने जीवन, सुख और संबंधों पर अत्यंत व्यावहारिक एवं विचारोत्तेजक प्रवचन दिया। आचार्य श्री ने एक प्रसंग के माध्यम से कहा कि जब आपकी पत्नी आपके सीने पर सिर रखकर आपसे पूछे कि ''प्लीज जानू, बताओ ना- आपका कहीं और किसी से चक्कर तो नहीं है?'' तब विश्वास कीजिए, उस समय आपका उत्तर नहीं, बल्कि आपके दिल की धड़कन सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि आप अपनी धड़कन को नियंत्रित नहीं कर पाए, तो समझिए वहीं आपका नार्को टेस्ट हो गया। जरा सी धड़कन बढ़ी और खेल खत्म। उन्होंने कहा कि आज तक बड़े-बड़े महापुरुष भी यह ठीक से नहीं समझ पाए कि सांसारिक सुख का वास्तविक कारण क्या है। यदि पत्नी ही सुख का कारण होती, तो ऐसी अनेक घटनाएं क्यों सामने आती हैं, जहाँ पत्नी ने धन, प्रेमी या अन्य कारणों से अपने पति तक की हत्या कर दी। आँकड़ों पर दृष्टि डालें तो सौ में से पाँच लोग भी ऐसे नहीं मिलेंगे, जो पत्नी से मिलने वाले तथाकथित सुख से वास्तव में सुखी हों। संसार में यदि कोई रिश्ता बिना कारण सबसे अधिक लड़ता-झगड़ता है, तो वह पति-पत्नी का ही है। आचार्य श्री ने कहा कि पत्नी से तीन प्रकार के अनुभव होते हैं—पहले सुख, फिर दुःख और अंत में ऐसी स्थिति, जिसमें न जीने की इच्छा रहती है और न मरने की। यदि पत्नी, बच्चे, घर, परिवार, मकान, महल, मोटर, भोजन, वस्त्र आदि से ही वास्तविक सुख मिलता, तो बड़े-बड़े महापुरुष करोड़ों-अरबों की संपत्ति छोड़कर वन की ओर प्रस्थान क्यों करते? यह सांसारिक सुख उस तलवार की धार पर लगे शहद के समान है—पहले मीठा लगता है, फिर जीवन भर भटकाता है और कहीं पहुंचने नहीं देता। आचार्य श्री ने आगे प्रश्न उठाया—तो फिर सुख है कहाँ? उन्होंने स्पष्ट किया कि पाप का फल दुःख है, पुण्य का फल सुख है और धर्म का फल केवल सुख ही सुख है। जो वस्तु जितनी मात्रा में धर्म से जुड़ी है, वह उतनी ही मात्रा में सुख देती है। अधर्म और पाप का परिणाम भी उसी अनुपात में दुःखद होता है। दुःख का फल नरक, सुख का फल स्वर्ग और धर्म का अंतिम फल मोक्ष है। उन्होंने निष्कर्ष रूप में कहा ''सुख का मूल कारण केवल धर्म है, इसलिए धर्म का मार्ग कभी मत छोड़ो।''

— नरेंद्र अजमेरा,
पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद)

भारतीय संस्कृति प्रकाशित करने पर, पाश्चात्य संस्कृति बुझाने पर बल देती है : विनीत सागर महाराज

सकल जैन समाज कामवन द्वारा आचार्य विनीत सागर का 54वां अवतरण दिवस मनाया गया

कामवन. शाबाश इंडिया। मनुष्य जीवन पाकर उसे सार्थक बनाना हर किसी के वश की बात नहीं है। जीवन पाना और जीवन को सफल बनाना—दोनों में बड़ा अंतर है। पाश्चात्य संस्कृति जहाँ बुझाने की ओर संकेत करती है, वहीं भारतीय संस्कृति प्रकाशित करने का संदेश देती है। उक्त विचार जैनाचार्य विनीत सागर महाराज ने विजय मति त्यागी आश्रम में अपने 54वें अवतरण दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। जैन समाज कामवन के अध्यक्ष अनिल जैन लहसरिया ने बताया कि विजय मति त्यागी आश्रम में आयोजित अवतरण दिवस समारोह का शुभारंभ चित्र अनावरण राकेश अग्रवाल (राजरानी परिवार) तथा दीप प्रज्वलन रमेशचंद्र, शिखरचंद एवं चंद्रप्रकाश जैन बड़जात्या परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंगलाचरण एवं संगीतमय प्रस्तुतियाँ हुईं। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य अजित जैन, मनीष जैन एवं सुलोचना जैन (अगोनिया परिवार) को प्राप्त हुआ, जबकि शास्त्र भेंट महेशचंद, संजय जैन सर्राफ तथा शिखरचंद, संजय जैन बड़जात्या परिवार द्वारा की गई।